वानिकी स्नातक के छात्रों की हि॰व॰अ॰ सं॰ शिमला के दौरे की रिपोर्ट

डॉ॰ यशवंत सिंह परमार यूएचएफ, नौणी, सोलन से वानिकी स्नातक (तृतीय वर्ष) के छात्रों (28) ने एक संकाय सदस्य के साथ 19 मई, 2023 को भा.वा.अ.शि.प.-हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का दौरा किया । प्रारंभ में, डॉ. जोगिंदर सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने छात्रों और डॉ. सुनील मारपा, सहायक प्रोफेसर का स्वागत किया । तत्पश्चात, डॉ. विनोद डोगरा, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने 'पावर प्वाइंट' प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रों को अनुसंधान और उपलब्धियों और संस्थान की चल रही गतिविधियों के ब्बारे में अवगत कराया । डॉ. आर.के. वर्मा, कार्यालय प्रमुख ने आई॰सीएफ॰आर॰ई॰ के कार्यक्षेत्र और संस्थान के इतिहास के बारे में जानकारी दी । डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रमुख विस्तार विभाग ने उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के औषधीय पौधों की विविधता, उनकी पहचान और उपयोग पर विस्तृत प्रस्तुति दी । उन्होंने छात्रों को मिशन लाइफ के उद्देश्यों और 'नो टू सिंगल यूज ऑफ प्लास्टिक' के बारे में भी जानकारी दी । छात्रों को विभिन्न प्रयोगशालाओं, हर्बेरियम और टीडीसी में भी ले जाया गया, जहां संबंधित प्रभारी अधिकारी और संबंधित कर्मचारियों ने छात्रों को वैज्ञानिक उपकरणों और चल रही अनुसंधान गतिविधियों से अवगत कराया । डॉ. मारपा ने संस्थान के निदेशक, वैज्ञानिकों और अधिकारियों को औषधीय पौधों और संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी देने के लिए धन्यवाद दिया ।

Report on visit of B.Sc Forestry students from UHF Solan to Himalayan Forest Research Institute, Shimla

BSc. Forestry third year students (28 no.'s) from college of Forestry, Dr. Y. S Parmar, UHF, Nauni, Solan along with one faculty member visited ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla on 19th May, 2023. At the outset, Dr. Joginder Singh, CTO welcomed the students and Dr. Sunil Marpa Asstt. Prof. Thereafter, Dr. Vinod Dogra, CTO apprised students about research, achievements and ongoing research activities of the institute through power point presentation. Dr. R.K Verma, Head of Office, briefed about ICFRE mandates and history of the HFRI. Dr. Jagdish Singh, Scientist-F and Head Extension division gave detailed presentation on medicinal plant diversity of northwestern Himalayan region, their identification and uses. He also apprised students about objectives of Mission LiFE and about 'No to Single use of plastic'. Students were also taken to different laboratories, herbarium and TDC, where respective Officer In-charges and concerned staff apprised students about scientific instruments and ongoing research activities. Dr. Marpa thanked the Director, Scientists, and Officers of the Institute for giving valuable information about the medicinal plants and R&D activities of the Institute to the students.

Glimpses of Visit

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान